फसल का निरीक्षण

फसल निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य बोई गई फसल किस्म का निम्न बिन्दुओं के आधार पर वांछित सत्यापित करना है। किसी बीज प्लाट के मानक स्तरीय न होने पर उसे निरस्त किया जा सकेगा।

.1 उपयोग किये गये बीज का बीज स्त्रोत सत्यापित हो जिससे अनुवांशिक एवं भौतिक शुद्वता जो निर्धारित है, उच्च गुणवत्ता का तैयार हो।

2 यह सत्यापित करना कि जिस भूमि में उत्पादन कार्यक्रम लिया जा रहा है उस भूमि में पूर्व में ली गई फसल क्या थी, जिससे संदूषण तथा बीमारी से प्रभावित होने की संभावना न हो।

3 सत्यापित करना कि बीज प्लाट की पृथक्करण दूरी संतोषप्रद है या नहीं।

4 संकर किस्मों में निर्धारित बार्डर लाईन लगाई गई है या नहीं।

5 संकर किस्मों में नर एवं मादा लाईन निर्धारित अनुपात में लगाई गई है या नहीं।

6 कृषक प्रक्षेत्र पर बीज प्लाट की गणना हेतु बीज प्लाट में जाकर पूर्ण क्षेत्र की गणना नियमानुसार करें तथा निर्धारित अनुपात में लगाई गई है या नहीं।

7 न्यूनतम खेत निरीक्षण फसल अनुसार निम्नानुसार होगाः–

क्र.	फसल	निरीक्षण संख्या	निरीक्षण की अवस्था
1	ध ाान,गेहूं,रागी,मूंग,उडद,अरहर,लोबिया,	2	पहला पुष्पन के समय, दूसरा पकते समय

क्र.	फसल	निरीक्षण संख्या	निरीक्षण की अवस्था
	फ्रेंचबीन,सोयाबीन,मूंगफली		
2	(ए) मक्कासिंगल क्रास एवं संकर मक्का।	4	पहला पुष्पन के पहले, तीन पुष्पन के बाद।
	(बी) कम्पोजिट एवं अन्य	2	पहला पुष्पन के पहले दुसरा पुष्पन के बाद
3	संकर ज्वार, बाजरा, सूर्यमुखी	4	पहला पुष्पन के पहले, दूसरा एवं तीसरा पुष्पन के समय चौथा कटाई के पहले
4	ज्वार, बाजरा, सूर्यमुखी, कुसुम, तिल, जूट	3	पहला पुष्पन के पहले, दूसरा पुष्पन के समय तीसरा कटाई के पूर्व
5	(ए) संकर कपास	4	पहला पुष्पन के पहले, दूसरा,तीसरा पुष्पन के
	(बी) कपास,किस्म,अरण्डी किस्म		समय,चौथा(पिकिंग के समय)
		2	पुष्पन से कटाई के समय
6	अरण्ड़ी–संकर	4	पहला पुष्पन के पहले दूसरा,तीसरा पुष्पन के समय चौथा कटाई के पूर्व
7	बैगन,भिण्डी, टमाटर, मिर्च, कुकर बिट्स, तथा फलवाली सब्जियां	3	पहला पुष्पन के पूर्व दूसरा पुष्पन के समय तीसरा फल पकने के समय
8	आलू	4	पहला बोनी के 45 दिन बाद दूसरा बोनी के 60–65 दिन बाद शीध्र पकने वाली फसल एवं 70–75 दिन देर से पकने वाली फसल हेतु। तीसरा हाल्म कटिंग के बाद चौथा हाल्म कटिंग के 10 दिन बाद
9	गाजर, मूली	3	पहला 20–30 दिन बाद रोपन के पहले।

क्र.	फसल	निरीक्षण संख्या	निरीक्षण की अवस्था
			दूसरा रोपाई के बाद तीसरा पुष्पन के समय

8 खेत निरीक्षण के समय गणना लेना एवं प्रतिवेदन तैयार करना एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है अतः भारतीय न्यूनतम मानक , निर्धारित गणना संख्या और स्टेंडर्ड त्रुटि को घ्यान रखकर कृषक को फसल की स्थिति अनुसार निर्देशित किया जाना अपेक्षित है।

1ण वनस्पतिक अवस्था : बीज स्रोत सत्यापन, पृथक्करण दूरी, संदूषण पौधे की पहचान एवं पुष्पन अवस्था में ली जाने वाली सावधानियॉ आदि।

2ण पुष्पन अवस्था : संदूषण के कारको का विवरण , दूर करने के उपाय व अन्य ऐसी सावधानियॉ जिससे गुणवत्ता में उतरोत्तर सुधार हो।

3ण फसल पकते समयः कटाई, गहाई एवं बीज ढुलाई में आवश्यक सावधानियॉ।

8.4 पुनः गणना : स्टेंडर्ड त्रुटि को ध्यान में रखकर बीज फसल को मानकों के अनुरूप मान्य या अमान्य करने हेतु पुनः गणना करना अनिवार्य है।

8.5 बीज फसल के निरीक्षण के बाद निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार कर, निरीक्षण के समय उपस्थित कृषक या उसके प्रतिनिधि से हस्ताक्षर प्राप्त कर एक प्रति तत्काल उन्हें दी जायेगी। यदि कोई भी व्यक्ति हस्ताक्षर से इनकार करता है, तो इसका स्पष्ट उल्लेख निरीक्षण प्रतिवेदन में किया जाये। ऐसे निरीक्षण प्रतिवेदन एवं निरस्त प्रतिवेदन 48 घंटे के अंदर पंजीकृत डाक से संबंधित कृषक, संभागीय कार्यालय एवं प्रधान कार्यालय भेजे जावेगे। सामान्य प्रतिवेदन संबंधित संभागीय कार्यालय एवं प्रधान कार्यालय को निरीक्षण दिनांक से 03 दिवस (72 घंटे) के अन्दर भेजना होगा।

9 मानक अनुरूप बीज फसल की कटाई, गहाई एवं ढुलाई निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत तथा निर्धारित प्रक्रिया केन्द्र पर कट आफ डेट के पूर्व करना चाहिये। उक्त कार्य में उत्पादक सभी आवश्यक सावधानियां बरतेंगे जिससे बीज की गुणवत्ता सुरक्षित रहे।